वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 126 | रविवार 3 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर के SMS स्टेडियम में होंगे आईपीएल के 10 मैच

10 सितंबर को होगा फाइनल, बॉलीवुड स्टार्स करेंगे परफॉर्म

जयपुर. कासं

जोधपुर के बाद अब जयपुर में राजस्थान प्रीमियर लीग के मुकाबले खेले जाएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर शुरू की गई राजस्थान प्रीमियर लीग के अब तक 9 मैच पूरे हो चुके हैं। अब क्वालीफायर और फाइनल समेत 10 मैच का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। इनमें पहला मैच रविवार दोपहर 3:00 बजे सीकर और जोधपुर के बीच खेला जाएगा। जबकि दूसरा मैच शाम 7:30 बजे कोटा और भीलवाड़ा के बीच होगा। राजस्थान प्रीमियर लीग के अध्यक्ष और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रामपाल शर्मा ने बताया- आरपीएल के लिए जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम पूरी तरह से तैयार है। जयपुर में आज से मैच की शुरूआत होगी। जहां जयपुराइट्स क्रिकेट

के साथ बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को भी परफॉर्म करते देख सकेंगे। आरपीएल में इस बार छह टीम हिस्सा ले रही है। इसमें जयपुर इंडियंस की टीम अपने सभी तीन मैच जीतकर 6 पॉइंट के साथ पॉइंट टेबल में टॉप पर बनी हुई है। वहीं दो मैच जीतकर 4 पॉइंट के साथ जांबाज कोटा चैलेंज की टीम पॉइंट टेबल पर दूसरे नंबर पर है। इसी तरह भीलवाड़ा बुल्स की टीम तीसरे और शेखावाटी सोल्जर सीकर की टीम पॉइंट टेबल पर चौथे नंबर पर है। जबकि जोधपुर सनराइजर्स और उदयपुर लेकसिटी वॉरियर्स टीम महज एक-एक मैच जीतकर पांचवे और छठी पोजीशन पर है। राजस्थान प्रीमियर लीग की 6 टीमों में जोधपुर, जयपुर, कोटा, सीकर, उदयपुर और भीलवाड़ा शामिल हैं। इन टीमों में आरपीएल और रणजी खेल चुके खिलाड़ी भी खेलेंगे। इन्हें लाखों रुपए में अलग-अलग टीमों में खरीदा गया है। राजस्थान प्रीमियर लीग शुरू होने से पहले ही टेंडर विवाद और लाइव ब्रॉडकास्टर नहीं मिलने के चलते मैच की तारीखों में बदलाव किया गया था। जो लीग पहले 19 अगस्त से शुरू होने वाली थी। उसे बाद में 27 अगस्त से शुरू किया गया है। इसके साथ ही पहले जहां लीग में 34 मैच का आयोजन होना था। वहीं अब महज 19 मैच ही खेले जा रहे है। जिनमें से भी 9 मैच खेले जा चुके है।

बीसलपुर में कम पानी, पेयजल संकट के आसार

कम बारिश के कारण केवल 7 टीएमसी पानी आया

6 टीएमसी तो भाप बनकर उड़ जाता है

जयपुर. कासं

कमजोर मानसून के चलते बीसलपुर बांध में पानी की आवक बहुत कम हुई है, इस वजह से 30 प्रतिशत खाली पड़ा है। वहीं, पिछले साल कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश के चलते 26 अगस्त को ही बांध लबालब भर गया था। इस मानसून में अभी तक बांध में केवल 1.24 मीटर यानि 7 टीएमसी ही पानी आवक हुई है। वहीं एक वर्ष में 6 टीएमसी पानी तो भाप बनकर उड़ जाएगा। अगर आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो जयपुर समेत अजमेर व टोंक में पेयजल संकट खड़ा हो सकता है। साथ ही, सिंचाई के लिए भी पानी छोड़ा जाना मुश्किल है, क्योंकि अभी केवल 27 टीएमसी पानी बचा

है। आगामी एक माह में एक टीएमसी से अधिक पानी और कम हो जाएगा। वहीं, 24 टीएमसी से अतिरिक्त पानी होने पर ही सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ा जाता है, ऐसे में इस बार पानी छोड़ना मुश्किल होगा। साथ ही अभी जयपुर को रोज करीब 650 एमएलडी पानी दिया जा रहा है, आने वाले दिनों नए क्षेत्र और बीसलपुर लाइन से जोड़ने की तैयारी चल रही है। जिसके लिए 105 एमएलडी और अधिक पानी की जरूरत होगी।बांध की पूर्ण भराव क्षमता पर एक साल में 8 टीएमसी पानी वाष्पीकृत हो जाता है। वहीं अभी जो पानी भरा है उसका 6 टीएमसी पानी तो वाष्पीकरण होने का अनुमान है। 24 टीएमसी से ज्यादा पानी रहने पर ही सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जाएगा। वहीं अंतिम फैसला सरकार के स्तर पर लिया जाता है।

कैचमेंट एरिया में इस साल हुई बारिश के आंकड़े

भीलवाड़ा- औसत बारिश 522.50 एमएम और 455.38 हुई है, जो औसत बारिश के आंकड़ों से 12.8 प्रतिशत कम है।

चित्तौड़गढ़- औसत बारिश 622 एमएम होनी चाहिए, लेकिन हुई 454.11 एमएम जो औसत बारिश से 27 प्रतिशत कम है।

अजमेर- औसत बारिश 394.20 एमएम और 475.84 एमएम हुई है, जो औसत बारिश से 20 प्रतिशत अधिक है।

राजसमंद- औसत बारिश 457.70 एमएम और 644.46 हुई है, जो औसत बारिश से 40 प्रतिशत अधिक है।

उदयपुर- औसत बारिश 519 एमएम और 463.71 एमएम हुई है, जो औसत बारिश से 10.7 प्रतिशत कम है।

डेंटल पढ़ाई सस्ती, मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

जयपुर. कासं। दंत चिकित्सकों को पढ़ाई कराने व मरीजों को क्वालिटी से युक्त इलाज की सुविधा देने वाले संस्थानों को अब इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन पावर व उपकरण जैसे मापदंडों पर खरा उतरना होगा। किसी भी तरह की खामी मिलने पर मान्यता पर भी संकट आ सकता है। जयपुर समेत देशभर में बीडीएस-एमडीएस की पढ़ाई कराने वाले निजी डेंटल कॉलेज अब मनमानी फीस वसूल नहीं कर सकेंगे, जिससे दंत चिकित्सक बनने वालों का सपना पूरा हो सकेगा। गली-मोहल्लों में दांतों से संबंधित बीमारियों का इलाज कर सेहत बिगाड़ने वाले झोला छाप पर भी कार्रवाई हो सकेगी। लोकसभा व राज्यसभा में नेशनल डेंटल कमिशन बिल-2023 पास होने के बाद ये सब संभव हो पाएगा। बीडीएस की अंतिम वर्ष की परीक्षा पास करने के बाद प्रेक्टिस करने से पहले नेशनल एक्जिट टेस्ट पास करना अनिवार्य है। इसके बाद ही रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। यह टेस्ट पास करने पर नंबरों के आधार पर पीजी में प्रवेश भी मिल सकेगा। मौजूदा स्थिति में राजस्थान राज्य डेंटल काउंसिल में अब तक करीब 10 हजार दंत चिकित्सक पंजीकृत है।

गोठी स्कूल में दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्यावर के विद्यालय प्रांगण में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया। प्रतियोगिता इंटर हाउस हुई जिसमें लगभग 64 से अधिक प्रतियोगी थे। प्रत्येक टीम मे 16 प्रतियोगी थे। कार्यक्रम का शुभारंभ चेन्नई निवासी एवम श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के सदस्य विशाल नाहटा और संस्था के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख ने किया। कृष्ण भजनों की रसधार से पूरा माहौल कृष्णमय हो गया और सभी बच्चों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। प्रतियोगिता में टैगोर ने अशोका को हराकर फाइनल में जगह बनाई तो रमन ने सुभाष को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बच्चों ने बड़ी चपलता और स्फूर्ति के साथ लगभग 10 से 12 सेकंड में ही 20 फुट से भी ऊपर लगी मटकियों को फोड़ दिया। कांटे के मुकाबले में प्रतियोगिता की विजेता रमन हाउस जबकि उपविजेता टैगोर हाउस की टीम रही। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर सी लोढा,नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा, प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा, उप प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा, उप प्राचार्या श्रीमती सुनीता चौधरी ने दही हांडी कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों का, हाउस मेंटर्स अध्यापक अध्यापिकाओं के साथ साथ अभिभावकों का उत्साहवर्धन किया।

रामस्नेही चिकित्सालय में दो अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर का लोकार्पण

अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय के संत डॉ. रामस्वरूप शास्त्री ने किया लोकार्पण

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित रामस्नेही चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र भीलवाड़ा में शनिवार को रोगियों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लक्ष्य से दो अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर का लोकार्पण किया गया। चिकित्सालय के चिकित्सा प्रभारी सतीश भदादा ने बताया कि इन ऑपरेशन थिएटर का लोकार्पण अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय के संत एवं श्री रामनिवास धाम के ट्रस्टी डॉ. रामस्वरूप शास्त्री ने किया। वर्तमान में भीलवाड़ा के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा में चातुर्मासरत डॉ. रामस्वरूप शास्त्रीजी ने पूज्य स्वामीजी रामचरण महाराज के स्वरूप पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर दोनों ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ किया। उन्होंने चिकित्सालय में सेवारत डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टॉफ एवं सभी चिकित्सालय कर्मियों की सेवाओं की सराहना करते हुए पीड़ित मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस धर्म की पालना करने में श्री रामस्नेही चिकित्सालय अग्रणी एवं प्रेरणादायी कार्य कर रहा है। शास्त्रीजी ने चिकित्सकों व प्रबंध समिति के सदस्यों से चिकित्सालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी ली एवं पीड़ित मानवता की सेवा में किस तरह अधिक बेहतर कार्य किया जा सकता इस बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। समारोह में चिकित्सालय में कार्यरत डॉक्टर्स, चिकित्सालय प्रबंध समिति के सदस्य, स्टॉफ एवं भीलवाड़ा रामद्वारा समिति के सदस्य मौजूद थे। रामस्नेही चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विभिन्न प्रकार की बीमारियों से पीड़ितों को उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। रामस्नेही चिकित्सालय में सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी पात्रताधारी रोगियों को उपचार के दौरान प्रदान किया जा रहा है।

48 दिवसीय भक्तामर स्तोत्र प्रवचन श्रृंखला एवं दिपर्चना के अन्तिम दो दिन शेष

मंत्रोच्चार से मंगल कलश स्थापना

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। धर्म और पुण्य कर्म ही व्यक्ति को महान बनाता है। मनुष्य के कर्म ही व्यक्ति को परिणाम देते हैं, इसलिए अच्छे कर्म करना चाहिए, तो परिणाम भी अच्छे ही आएंगे, अहंकार नहीं स्वीकार करना सीखना चाहिए, तभी जीवन का कल्याण हो सकता है भाग दौड़ भरे जीवन में पुण्य कर्म भी करना चाहिए, अन्यथा यह जीवन यूं ही चला जाएगा यह उद्गार आचार्य विवेक सागर महाराज ने 48 दिवसीय भक्तामर स्तोत्र आयोजन के 46 वें दिन पंचायत छोटा धड़ा नसियां में कहें। इसलिए समय के महत्व को जीवन में समझना चाहिए तभी सफलता मिलती है। जिसने वर्तमान को समझ लिया वह वर्धमान बन सकता है, विचारों को परिवर्तन किए बिना जीवन में परिवर्तन नहीं हो सकता है। आचार्य महाराज ने कहा धर्म कर्म करे तो निर्भय होकर करना चाहिए। तभी वह सार्थक सिद्ध होता है, मंदिर जाएं तो भाग कर नहीं जाएं, जागकर जाएं तभी वहां जाना सार्थक सिद्ध हो सकता है। प्रवक्ता पदम चंद सोगानी ने बताया 48 दिवसीय श्री भक्तामर स्तोत्र प्रवचन श्रृंखला एवं दिपर्चना के महाआयोजन के 46 दिन पूर्ण हो चुके मात्र दो दिन शेष रहे हैं इस आयोजन में प्रतिदिन सैकड़ों साधर्मीजन प्रात प्रवचन श्रृंखला एवं सांयकालीन दिपर्चना, महाआरती कर पुण्यार्जक कर रहे हैं।

मंत्रोच्चार से मंगल कलश स्थापना

इससे पूर्व श्री भक्तामर स्तोत्र आयोजन में आचार्य महाराज के मुखारबिंद से मंत्रोच्चार द्वारा मंगल कलश स्थापना एवं दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट आदि मांगलिक क्रियाए रमेश - रूचि बड़जात्या परिवार ने सम्पन्न की इनका समिति ने अभिनन्दन पत्र देकर स्वागत किया। इस अवसर पर नितिन दोसी, पदम चन्द सोगानी, ललित पाण्डया, लोकेश ढिलवारी, अशोक गोधा, पवन बाकलीवाल, पारसमल बाकलीवाल, अजय दोसी आदि उपस्थित थे।

जैसवाल जैन प्रतिभाओं का महाकुंभ 8 अक्टूबर को

अम्बाह एवम मुरेना की 50 से अधिक प्रतिभाएं होगी सम्मानित

प्रतिभाओं को मिलेंगे लैपटॉप एवम सोने की गिन्नी

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जैसवाल जैन समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं का सम्मान समारोह 08 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी आगरा एवम महामंत्री सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी जैसवाल जैन समाज की प्रतिभाओं के उत्साहवर्धन हेतु सम्मान समारोह एवम दिल्ली एनसीआर का सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम का आयोजन सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम दिल्ली में 08 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है। दोनों कार्यक्रमों के मुख्य संयोजक सुदीप जैन (मिढ़ेला वाले) एवम सुदर्शन जैन ने बताया कि प्रथमबार जैसवाल जैन समाज दिल्ली का सामूहिक क्षमावाणी पर्व एवम न्यास परिवार का प्रतिभा सम्मान समारोह दोनो कार्यक्रमों संयुक्त रूप से एक साथ होने जा रहे हैं। कार्यक्रम में लगभग 3000 से अधिक सजातीय बंधुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। प्रतिभा सम्मान समारोह के संयोजक रविंद्र जैन जमूसर भोपाल, सुरेश जैन दिल्ली, रूपेश जैन दिल्ली द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार समाज के जिन बच्चों ने इस वर्ष बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है अथवा उन्होंने कोई भी प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण की है अथवा उनका उच्च शिक्षा हेतु चयन हुआ है अथवा उन्होंने शिक्षा, खेलकूद या किसी भी अन्य क्षेत्र में कोई विशेष उपलब्धि हासिल की है, उन सभी का बहुमान किया जायेगा । जैसवाल जैन समाज की लगभग 500 से अधिक होनहार प्रतिभाओं को कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। चयनित सर्वश्रेष्ठ 3 प्रतिभाओं को लैपटॉप, सोने की गिन्नी, सर्वश्रेष्ठ 10 प्रतिभाओं को सोने की गिन्नी, अन्य प्रतिभाओं को स्वर्ण पदक, रजत पदक के साथ साथ स्मृति चिन्ह, बैग, छल्ला, पैन, डायरी, बहुरंगीं परिचय स्मारिका से सम्मानित किया जाएगा। सभी चयनित प्रतिभाओं एवम उनके साथ आने वाले एक अभिभावक को न्यास परिवार की ओर से मार्ग व्यय प्रदान किया जाता है, साथ ही सभी के लिए आवास एवम भोजनादि की समुचित व्यवस्था प्रदान की जाती है।

वेद ज्ञान

जीने का अर्थ

जीवन की सार्थकता इस बात में है कि वह महान लक्ष्य की ओर पूरी तरह से समर्पित हो। जीवन का हर पल इस ढंग से जिया जाए कि कल जब उस पल को मुड़कर देखा जाए तो शर्मिंदा न होना पड़े। जीवन समस्याओं की एक लंबी शृंखला है। समस्याओं पर विलाप नहीं करना है, बल्कि उनका सावधानी से विश्लेषण करते हुए उन कारणों की तलाश करनी हैं, जिनकी कोख से समस्याएं जन्म लेती हैं। कारण समझ में आते ही समस्याओं का निवारण शुरू हो जाता है। समस्याएं क्रोध, भय, मनस्ताप और अपराधबोध को जन्म देती हैं। वह हमारे साहस को ललकारती हैं और उनका मुकाबला करने के लिए हमारे भीतर साहस का संचार भी करती हैं। वे पीड़ा पहुंचाती हैं तो हमें कुछ सिखाती भी हैं। इसलिए समस्याओं से भागना नहीं है, उनका स्वागत करना है। बाबा आमटे कहते हैं, जैसे जवां मर्द बिगड़ैल बैल से जूझता हैं वैसे हमें भी अपनी समस्याओं से जूझना होगा। तभी निजात मिलेगी। चूंकि समस्याएं अंतहीन हैं। इसलिए प्रगति की कहानी निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। जिंदगी सरिता की तरह एक अजस्र प्रवाह है, जो पथरीले किनारों से टकराती हुई सागर (लक्ष्य) तक यात्रा पूरी करती है। जीवन ठहरने का नाम नहीं है। प्रकृति का विधान है कि या तो आगे बढ़ो या मिटने के लिए तैयार रहो। जीवन से भागना नहीं है, जीवन में जागना है। जीवन की गाड़ी निस्तेज उत्साह से नहीं खींची जा सकती। आधे-अधूरे मन से किया गया कार्य कभी पूरा नहीं होता। जब मन में न बुझने वाली ऊर्जा की लौ जलती है तभी लक्ष्य हासिल होता है। फल पर ध्यान जाते ही कर्मशक्ति छितरा जाती है। भीतर के कर्मशक्तिपुंज को लक्ष्य पर केंद्रित करके अर्जुन की तरह केवल मछली की आंख पर एकाग्र चित्त से निशाना साधना होगा। कंटीली झाड़ियों के बीच से यदि गुलाब का फूल पाना है तो कांटों की चुभन झेलनी होगी। मधुमक्खियों के डंक से डरने वाला शहद का स्वाद नहीं चख सकता। सफलता का स्वाद चखने के लिए बाधाओं की पीड़ा सहनी ही पड़ेगी। इसलिए संसार में निडर होकर जिएं। तभी जीवन जीने की सार्थकता है। यह बात जरूर है कि जीवन जीने के लिए कोई लक्ष्य होना चाहिए।

संपादकीय

भत्ते में बढ़ोतरी का प्रस्ताव सवालों के घेरे में

जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले वेतन-भत्ते और दूसरे खर्चों के मद में बढ़ोतरी मुख्य रूप से महंगाई को ध्यान में रख कर की जाती है। यह अलग बात है कि इसका आकलन और निर्धारण खुद जनप्रतिनिधि ही करते हैं। मगर कई बार यह बढ़ोतरी इतनी अतार्किक हो जाती है कि उसकी तरफ स्वाभाविक ही अंगुलियां उठने लगती हैं। दिल्ली नगर निगम में पार्षदों के मासिक और बैठक भत्ते में बढ़ोतरी का प्रस्ताव कुछ वैसा ही है। नगर निगम ने पार्षदों का मासिक भत्ता तीन हजार रुपए से बढ़ा कर एक लाख रुपए और बैठक भत्ता तीन सौ रुपए से बढ़ा कर पच्चीस हजार रुपए करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। हालांकि उन्हें भत्ते के रूप में मिलने वाली मौजूदा राशि आज के समय में बहुत कम कही जा सकती है। तीन हजार रुपए महीने में तो आजकल किसी विद्यार्थी का भी खर्चा नहीं चल पाता। तीन सौ रुपए में कई लोगों का जेबखर्च नहीं चलता। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इनमें बढ़ोतरी की मांग वाजिब थी। मगर तीन सौ रुपए से बढ़ा कर एकदम से पच्चीस हजार रुपए कर देने को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। इस बढ़ोतरी पर दिल्ली की महापौर का कहना है कि चूंकि निगम पार्षदों को कोई वेतन नहीं मिलता, उन्हें भत्ता दिया जाता है, इसलिए इतने भत्ते में उनका खर्च नहीं चल पाता। यह पहला मौका नहीं है, जब आम आदमी पार्टी को अपने जनप्रतिनिधियों के वेतन और भत्ते बढ़ाने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। जब पहली बार दिल्ली में विधायकों के वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी सवाल उठे थे। तब मुख्यमंत्री का कहना था कि विधायकों को चूंकि अपने दफ्तर का खर्च भी उठाना पड़ता है, सैकड़ों लोग उनके दफ्तरों में रोज आते हैं, उन्हें चाय-पानी पिलाने आदि पर खर्च करना पड़ता है, उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में लगातार लोगों से संपर्क करना पड़ता है और इन सबमें काफी खर्च आता है। महंगाई बढ़ने से उनके वेतन और भत्तों से वह खर्च पूरा नहीं हो पाता। फिर उन्होंने यह भी तर्क दिया था कि दूसरे दलों के विधायक चूंकि दूसरे तरीकों से अपने खर्चे जुटा लेते हैं, आम आदमी पार्टी के विधायक उन्हीं पैसों से खर्च चलाते हैं, जो उन्हें सरकार देती है। यही तर्क पार्षदों के मामले में भी दिया जा सकता है। मगर यह सवाल फिर भी बना रहेगा कि क्या जनप्रतिनिधियों के वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिल सकती है। इस बढ़ोतरी से यह भी सवाल उठता है कि आखिर अब तक इसमें बढ़ोतरी की मांग क्यों नहीं उठी और कैसे पार्षद तीन हजार रुपए मासिक और तीन सौ रुपए प्रति बैठक भत्ते से अपने खर्च चलाया करते थे। दिल्ली नगर निगम में अक्सर अनियमितताओं की शिकायतें आती रहती हैं। बहुत सारे काम चूंकि ठेके पर होते हैं, इसलिए उनमें कमीशनखोरी भी जगजाहिर है। ऐसे में शायद पार्षदों को सरकार से मिलने वाले भत्ते की कम राशि से कोई फर्क न पड़ता रहा हो। मगर आम आदमी पार्टी इनमें बढ़ोतरी करके अनियमितताओं पर रोक लगाने का दावा कैसे कर सकती है।

परिदृश्य

हिंसा और अराजकता

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं में छह लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल हो जाने से साफ है कि तमाम कवायदों के बावजूद सरकार वहां शांति स्थापित कर पाने में नाकाम है। वहां हिंसा शुरू हुए करीब चार महीने हो गए हैं और इस बीच पुलिस से लेकर सेना तक का सहारा लेकर टकराव में शामिल गुटों को काबू में करने की कोशिशें जारी हैं। मगर आज भी वहां जैसे हालात हैं, उसके मद्देनजर सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। गौरतलब है कि मणिपुर में गुरुवार को चुराचांदपुर-बिष्णुपुर सीमा पर दो गुटों की गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई। चुराचांदपुर कुकी-जोमी बहुल इलाका है और बिष्णुपुर में ज्यादातर आबादी मैतेई समुदाय की है। ताजा संघर्ष में मारे गए लोगों में वहां के एक लोकप्रिय गीतकार की भी जान चली गई। मंगलवार से अब तक गोलीबारी में कुल नौ लोग मारे जा चुके हैं। इन घटनाओं के बाद एक रिवायत की तरह पुलिस की ओर से फिर यही कहा गया है कि हिंसाग्रस्त इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सवाल है कि इतने लंबे संघर्ष और इसमें शामिल समूहों के चिह्नित होने के बावजूद सरकार और प्रशासन हिंसा और अराजकता को रोकने के मामले में क्यों लाचार दिख रही है! विडंबना है कि इस मसले पर उच्चतम न्यायालय सरकार को हिदायत दे चुका है कि वह हिंसा पर लगाम लगाने और शांति कायम करने के लिए ठोस कदम उठाए, जरूरी कार्रवाई करे। उसकी तरफ से गठित निगरानी समिति मणिपुर में काम शुरू कर चुकी है। मगर इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि इसके बावजूद वहां के कई इलाके अब भी अशांत हैं। हालांकि राज्य सरकार स्थिति को नियंत्रण में कर लेने का भरोसा जता रही है, लेकिन पिछले कई महीने से जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा को रोक पाने में वहां की पुलिस व्यापक पैमाने पर नाकाम साबित हुई है। यह बेवजह नहीं है कि जिन इलाकों में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव अधिक था और उससे निपटना एक जटिल चुनौती थी, वहां हालात पर काबू पाने के लिए सेना को भी उतारा गया। पर ऐसा लगता है कि इस समस्या से उपजी चिंता गहराती जा रही है। गौरतलब है कि बीती मई की शुरूआत में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने के मसले पर शुरू हुए विरोध के बाद हिंसा भड़क गई और उसका दायरा फैलता चला गया। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष में लगभग दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से शांति समिति का भी गठन किया गया था। मगर अब भी दोनों समुदायों के बीच हिंसा को रोक पाना संभव क्यों नहीं हो सका है। दूसरी ओर, यह स्थिति भी पैदा हुई कि कुकी समुदाय की ओर से अपनी उपेक्षा को कारण बताते हुए स्वायत्त प्रशासन की मांग उठाई गई। फिलहाल सबसे प्राथमिक कदम यह होना चाहिए कि सरकार हिंसा और टकराव को रोकने के साथ ही इसमें शामिल सभी पक्षों से बातचीत का हर संभव कदम उठाए, क्योंकि समस्या चाहे जितनी भी जटिल हो, उसका समाधान आखिरी तौर पर संवाद से ही निकलेगा।

नथिंग बिफोर कॉफी (NBC) ने मनाई छठी वर्षगांठ

जयपुर. शाबाश इंडिया

नथिंग बिफोर कॉफी (NBC) ने छठी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस मौके पर जनता के लिए हर आइटम 99/- रुपए का कर दिया गया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रुप में भाजपा जयपुर शहर पूर्व जिलाध्यक्ष संजय जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा,जनता कालोनी जैन सभा के अध्यक्ष उजास पाण्डया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। धूम-धड़ाके के बीच केक काटकर 6ठीं वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर वर्षीय श्रीमती देवी पाण्डया की विशेष उपस्थिति रही। इसके साथ ही सुनील जैन राजू, सुरेन्द्र भौसा, शकुन्तला पाण्डया,प्रमिला पाण्डया सहित अन्य लोग शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में चार दोस्तों आनंद जैन, अक्षय केडिया, अंकेश जैन, शुभम भंडारी द्वारा नथिंग बिफोर कॉफी का पहला आउटलेट खोला गया। वर्तमान में इसके राजस्थान, एमपी, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश सहित पूरे भारत के 10 राज्यों में 41 स्टोर हैं। दिल्ली और एनसीआर में शीघ्र ही तीन आउटलेट खोले जाएंगे। 31 अगस्त को एनबीसी ने 6 साल पूरे कर लिए। एनबीसी की पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर खोलने की योजना है।

फुलेरा देहात मंडल दक्षिण का कार्यकारिणी का विस्तार

सुरेश कुमार मंत्री और प्रकाशचंद कोषाध्यक्ष नियुक्त

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

फुलेरा। क्षेत्र के फुलेरा देहात मंडल दक्षिण की कार्यकारिणी का शुक्रवार को विस्तार किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी के जयपुर जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर के निदेर्शानुसार व फुलेरा विधायक और बीजेपी नेता निर्मल कुमावत की अनुशंसा पर फुलेरा देहात दक्षिण मंडल अध्यक्ष बद्रीनारायण शर्मा ने कार्यकारिणी में विस्तार करते हुए फुलेरा देहात दक्षिण मंडल के मंत्री पद पर सुरेश कुमार प्रजापति पुत्र प्रभातराम प्रजापत और मंडल कोषाध्यक्ष पद पर प्रकाशचंद प्रजापति पुत्र मोहनलाल प्रजापति भैसलाना को नियुक्त किया गया है।

जन्मोत्सव कार्यक्रम के सप्तम दिवस 1500 भाईयों को अलग जगह पर भोजन करवाया

विनम्रवान व्यक्ति ही महान बनता है : साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चेन्नई। सहज और विनम्रवान व्यक्ति ही जीवन में महान बनता है। शनिवार को साहूकर पेठ जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ को धर्मसभा में सम्बोधित करतें हुए कहा कि दुनिया में हर मनुष्य महान बनना चाहता है लेकिन बनना आसान और सरल काम नहीं है। संसार मे वहीं व्यक्ति बड़ा बन सकता है जो अपनी उपलब्धियो और प्रसिद्धी के प्राप्त हो जाने पर भी अंहकार और घमंड नहीं करता है ऐसा मनुष्यों समाज में और जगत मे महान बनता है लेकिन आज इंसान छोटी सी उपलब्धि और प्रसिद्धि पाकर इंसान इतना अहंकार और घमंड करता है कि अपने आप को खुदा समझने लग जाता है। मनुष्य नाम से महान नहीं बनता है अपने कार्य और गुणों से महान बनता है। इंसान जितना सहज और सरल बनकर समाज मे काम करेगा और अभिमान नहीं रखेगा तभी संसार उसके चले जाने के बाद भी उसे याद रखते है और उसके रोते है वही इंसान जगत मे महान बन सकता है। मनुष्य जीवन मे जितना छोटा बनकर रहेगा उतना ही वह आगे बढ़ता रहेगा। अपने पद और दौलत पर अभिमान और घमंड करने वाले इंसान जीवन मे कभी आगे नहीं बढ़ सकते है और नाहि महान बन सकते है। गुरूदेवों की जन्मजयंती उपल्क्षय में शनिवार को में चैन्नाई मरूधरा मे चांवडिया के गौभक्त समाजसेवी गुरूभक्त स्व. चैनराज जी के सुपुत्र पदमचंद, अरिहंतराज फिल्म कलाकार किशन तालेड़ा ने अपने परिवार और समाज के सदस्यों के साथ जी. एच.होस्पिटल और वृद्धाआश्रमों आदि जगह पर1500 भाई बहनों को भोजन कराने का लाभ लिया। श्री संघ साहूकार पेठ के सभी पदाधिकारियों ने तालेड़ा परिवार को मोमेंटो और शोलमाला पहनाकर धर्मसभा मे स्वागत किया।

मूल वेदी का भव्य शिलान्यास समारोह आयोजित

विशाल पाटनी. शाबाश इंडिया

भागलपुर। बिहार राज्य भागलपुर की पावनधरा प.पू. राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विराग सागर जी मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से एवं प.पू. झारखण्ड राजकीय अतिथि सराक केसरी श्रमण श्री विशल्यसागर जी मुनिराज की प्रेरणा एवं सानिध्य में मूल वेदी का भूमि पूजन एवं भव्य शिलान्यास सानन्द सम्पन्न हुआ। जिसका भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव 25 से 30 जनवरी 2024 को सम्पन्न होगा।

मर्यादा में रहकर करें कार्य : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के पावन सानिध्य में श्री शांतिनाथ विधान कराने का सौभाग्य मुकेश बैनाड़ा पचाला वालों को प्राप्त हुआ। प्रभु की भक्ति एवं शान्तिधारा हेतु जयपुर , कोटा , निवाई , सवाई माधोपुर , महाराष्ट्र के लोगों ने आकर भाग लिया। सकल दिगम्बर जैन समाज विवेक विहार जयपुर वालों ने गुरु माँ की निर्विघ्न आहारचर्या सम्पन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - जैसा भीतर में आचरण होता है, वैसा ही परिणाम होता है। जैसी क्रिया होती है वैसे ही भाव आगे बनते चले जाते हैं। वह भावनाएं राग देश को समाप्त करने की नहीं बन पाती है। आत्मा में वह विचार नहीं आ पाते है कि राग द्वेष को हमें समाप्त करना है। पूराने समय की जितनी मयार्दायें थी आज के समय में उनकी कोई कीमत , कोई प्रयोजन नहीं है। पहले पालने में पलते बच्चे को देखकर ये समझ लेते थे कि बड़े होकर ये कैसे बनेंगे। अब कम्प्यूटर मोबाइल देख देख कर बच्चे पलते हैं लेकिन माता - पिता नहीं समझ पाते कि यह बड़ा होकर क्या करेगा। पहले समय में ये परख लिया जाता था कि ये बच्चा बड़ा होकर हमारे पास रहेगा या नहीं और उनका अनुमान सही निकलता था । अब माता - पिता सोचते हैं ये मेरा है , मेरे पास ही रहेगा। लेकिन बच्चा कहता है टाटा बाय - बाय छुट्टी वो नहीं रहता उनके पास। आज के समय में कल्चर ही ऐसा बन गया है। संस्कार ही ऐसे मिल रहे हैं। बहु बिना सिर ढ़के जिंस टोप जैसे छोटे छोटे वस्त्रों में बाहर घुम रही है । बेटे को हाथ पकड़ के चलना है। अरे पहले निकटता से मयार्दा बनाई जाती थी और अब दूर रहकर मयार्दा बनाई जा रही हैं। माताजी ने कहा - हम जितना मर्यादित जीवन जीयेंगे उतना ही आने वाली पीढ़ी भी सीखेगी। अतः बच्चों के सामने ऐसी कोई क्रिया या मनमाने काम न करें जिसका उन पर गलत प्रभाव पड़े।

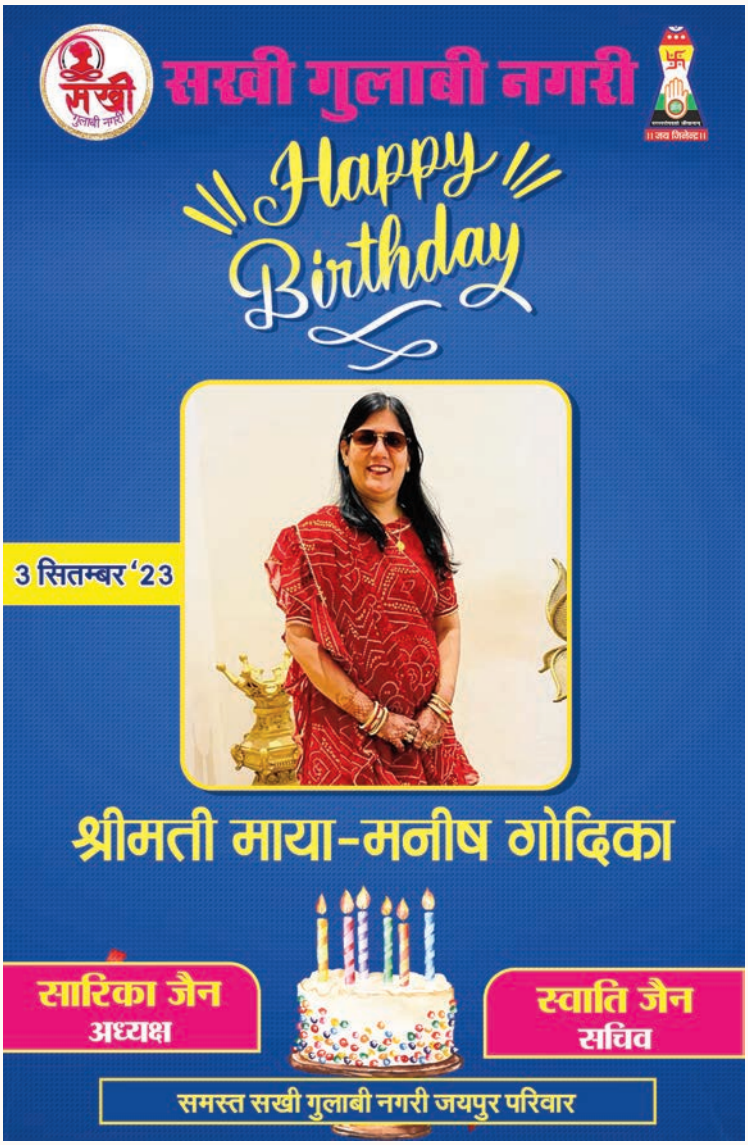

नेट-थियेट पर शबद कीर्तन

स्वदेश रसोई ने किया कलाकारों का सम्मान

गुरबाणी शबद कीर्तन का अमृत बरसा

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कलाकार हिम्मत दीप कौर ने गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज गुरुवाणी का शब्द कीर्तन बड़ी सुरीली और मधुर वाणी में सुनाकर दर्शकों को भक्ति में लीन कर दिया। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार श्रीमती दीप कौर ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत ऐसी लाल तुझ बिन कौन करें, गरीब निवाज गुस्सैया मेरा, माथे छतर धरे सुनाकर शबद कीर्तन की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने रेनी गवाई सोए के, दिवस गंवाया खाए, हरि जैसा जनम है, कोडी बदले आए रे, नाम न जाने राम का, मुडे फिर पाछे पछताए रे शबद को बडे ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। दीप कौर नै मेहरबान साहिब मेहरबान, साहिब मेरा मेहरबान, जी संगल को दे दान और अंत में गुरु वाणी का शबद फिर घर बेसहू हरिजन प्यारे, सतगुरु तुमने काज सांवरे, दुष्ट दूत परमेश्वर मारे,जन की पेज रखी करतारे शबद् को बड़े ही मनोयोग से सुनाकर कार्यक्रम को भक्ति मय बना दिया। इनके साथ ढोलक पर विजेंद्र सिंह राठौड़ उर्फ नगीना ने असरदार संगतकर शबद् कीर्तन की शाम को सुरमई बना दिया। कार्यक्रम की उद्घोषणा वरिष्ठ रंगकर्मी गुरमिंदर सिंह पूरी रोमी ने की। कार्यक्रम में स्वदेश रसोई के निदेशक भूपेंद्र सिंह शेखावत ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया। मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

स्पीक मैके द्वारा ओडीसी नृत्य का आयोजन

जयपुर. कंचन केसरी

स्पिक मैके के जयपुर चैप्टर द्वारा युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ओडीसी नृत्य के सर्किट में शनिवार को आईआईएस यूनिवर्सिटी और स्वामी केशवानंद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये । प्रसिद्ध ओडीसी नृत्यांगना कविता द्विवेदी तथा साथी कलाकारो ने सरस्वती एवं दुर्गा स्तुति से कार्यक्रम की शुरूआत की। जयपुर चैप्टर कोऑर्डिनेटर डॉ मृणाली कांकर ने बताया कि उन्होंने कार्यक्रम में मैया यशोदा के साथ कृष्ण की बाल लीलाओं का अभिनय कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने ओडीसी नृत्य की बारीकियां, नृत्य की मुद्राएं एवं लय ताल के बारे में समझाते हुए, नृत्य की विभिन भाव-भंगिमाओं से सभी का मन मोह लिया एवं भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। उनके साथ मरदाल पर मानस सारंगी, गायन में प्रशांत कुमार एवं सितार पर यार मोहम्मद ने संगत दी। कार्यक्रम में स्पीक मैके जयपुर चैप्टर के अजीत पंडित मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद में विद्यार्थियों ने कलाकारों से संवाद भी किया व गहन जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में बाहर से पधारे हुए शिक्षक, कलाकार व अन्य संगीत रसिको की मौजूदगी रही। स्वामी केशवानंद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पर करीब 900 तथा आईआईएस यूनिवर्सिटी में 350 विद्यार्थी और शिक्षक- शिक्षिकाएं इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। आई आई एस में डॉक्टर राधिका एवं एसके आईटी कॉलेज में डॉ रोहित मुखर्जी ने

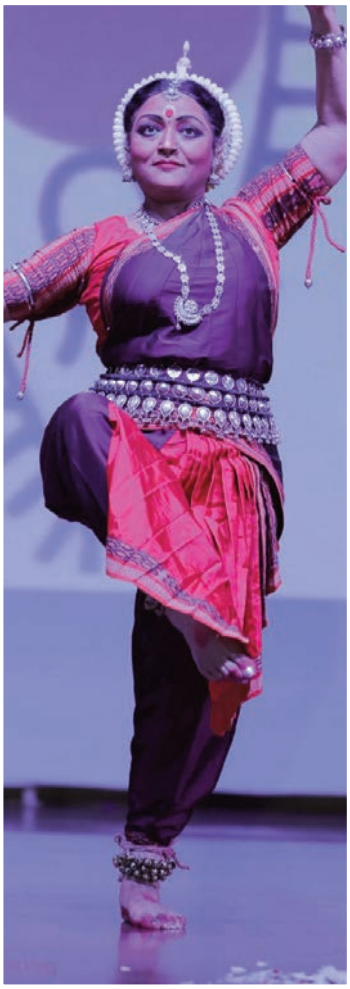

इस कार्यक्रम का आयोजन किया। माननीय कलाकारों का स्वागत संस्था के स्पिक मैके क्लब के सदस्यों द्वारा किया गया। अंत में डॉक्टर शिप्रा मालिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जयपुर में इस प्रकार के सर्किट आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

Gheesibai Memorial
MITTAL HOSPITAL
& RESEARCH CENTRE
Pushkar Road, Ajmer - 305004 Tel. : (0145) 2603603 Mob. : 8003053111
REQUIRES
• Cardiac Surgeon (CTVS) • Pulmonologist
• Cardiac Anaesthesiologist • Physician
• Neuro Surgeon • Paediatrician
Apply to CEO or Walk-in Email : hr@mittalhospital.com

Gheesibai Memorial
MITTAL HOSPITAL
& RESEARCH CENTRE
Pushkar Road, Ajmer - 305004 Tel. : (0145) 2603603 Mob. : 8003053111
REQUIRES
• CTVS • Pulmonologist
• Cardiac Anaesthesiologist • Physician
• Neuro Surgeon • Paediatrician
• Radiologist • Gynaecologist
Apply to CEO or Walk-in Email : hr@mittalhospital.com

एटीसी ऑफिसर जितेश हुड्डा का किया गया अभिनंदन

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। बालाजी कॉटन फैक्ट्री में जितेश हुड्डा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया जितेश कुमार हुड्डा का हाल ही अळउ ड्ग्रू१ पद पर भारत में 5वीं रैंक के साथ चयन हुआ है तथा मुम्बई हवाई अड्डे पर पदस्थापन हुआ है। जितेश कुमार के पिता शारीरिक शिक्षक है। अभिनंदन समारोह में जितेश हुड्डा को राजस्थान जाट महासभा हनुमानगढ़ के जिलाध्यक्ष रामजस बुरड़क व धानमंडी के व्यापारी सरजीत न्योल ने राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मानित किया वहीं समाजसेवी लादूराम मटोरिया व हेतराम गिला ने जितेश कुमार हुड्डा के पिता महावीर हुड्डा का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। जितेश कुमार हुड्डा ने बताया कि उनकी प्राथमिक शिक्षा गांव में ही हुई थी तथा आगे की शिक्षा सीकर में प्राप्त की मुझे हमेशा अपने कैरियर के लिए अच्छे लोगों से प्रेरणा मिलती रहती थी जिसके बदौलत मेरा प्रथम प्रयास में भारत में 5वें स्थान से अळउ पद पर चयन हुआ है मुझे मेरे परिवार से इस मुकाम को हासिल करने में बहुत मदद मिली। मैं हमेशा नशे व अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से दूर रहा तथा युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए पहले लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए व पुरी लगन से लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए तभी सफलता मिलेगी मुझे गर्व है कि मैं इस पोस्ट पर चयन होने वाला जिले का प्रथम छात्र हुं जब दो दिन पहले मैंने हमारे पारिवारिक सदस्य व जाट महासभा हनुमानगढ़ के जिलाध्यक्ष श्री रामजस बुरड़क जी को फोन करके बताया कि मैं 2 सितम्बर को गांव आ रहा हूं तो इन्होंने मुझे रावतसर रुकने के लिए बोला आज आप सभी लोगों ने जो मुझे मान सम्मान दिया है इसके लिए सदैव आभारी रहूंगा यथा आपको वचन देता हूं कि मैं हमारे जिले के जरूरतमंद विद्यार्थियों के सहयोग के लिए सदेव तत्पर रहूंगा। समारोह में पधारे लोगों को सम्बोधित करते हुए जाट महासभा हनुमानगढ़ के जिलाध्यक्ष रामजस बुरड़क ने बताया कि जितेश के चयन से हमारे जिले का नाम रोशन हुआ है यथा युवाओं को जितेश कुमार हुड्डा से प्रेरणा लेनी चाहिए कार्यक्रम के अन्त में जितेश कुमार हुड्डा के हाथों से एक पौधा लगवाया गया तथा रामजस बुरड़क ने जितेश कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट किया।इस अवसर पर कालूराम बुडानिया ओम प्रकाश सहारण तपेश कस्वां मुकेश कस्वां सादुल न्योल प्रमोद सहारण जगदीश सिहाग सहित अनेकों लोग उपास्थित रहें।

भगवान सिंह राजावत की द्वितीय पुण्य तिथि पर 201 यूनिट रक्त संग्रहित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

निकटवर्ती ग्राम चितावा मे स्थित धर्मशाला में स्व.भगवान सिंह राजावत की द्वितीय पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 201 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया ' शिविर में ग्राम चितावा व आसपास के क्षेत्रों में सभी समाजों के युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।इस मौके पर सभी रक्त दाताओं को हेलमेट देकर प्रोत्साहित किया गया ' व आयोजनकर्ताओं के द्वारा आगे भी ऐसे आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने को प्रेरित किया गया तथा सभी रक्त दाताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। रक्त संग्रहण श्री श्याम ब्लड बैंक कुचामन सिटी के द्वारा किया गया आयोजन कर्ताओं ने रक्त दान को ही पुण्य आत्मा के लिए सच्ची श्रद्धांजलि दी।

शिक्षक दिवस 2023 के अवसर पर प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवार्ड के बारवें संस्करण का भव्य आयोजन

6 शिक्षकों का माला माथुर मेमोरियल 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन एजुकेशन' से किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। थार सर्वोदय संस्थान , सिम्पली जयपुर और रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शिक्षकों के सम्मान में प्रिंसीपल्स एंड टीचर्स अवार्ड 2023 के बारवें संस्करण का आयोजन शनिवार 2 सितम्बर को प्रातः 10:30 बजे से रंगायन - जवाहर कला केंद्र में किया गया कार्यक्रम के आयोजक सोमेंद्र हर्ष और अंशु हर्ष ने बताया की इस वर्ष कुछ ऐसे शिक्षकों का सम्मान भी करा जायेगा जिन्होंने अपना जीवन नयी पीढ़ी को ज्ञान देने मे समर्पित किया। मुख्य अतिथि के तौर पर बीडी कल्ला, शिक्षा मंत्री, द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया। भारती फाउंडेशन के एकेडमिक मेंटर पुनीत भटनागर ने बताया की भारती फाउंडेशन के सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत समर्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भानगढ़ से सत्येंद्र कुमार, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जियाबेरी से श्रीमती संतोष पवार और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुई

इंदा से गीता राठौड़, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मादिया बेरा से दयाराम चौधरी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केतु विश्नोईया से सुमेरा राम को सम्मानित किया गया। ज्ञान को विकसित करने, प्रेरणा देने और रचनात्मक विचार को प्रोत्साहित करने की ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ शिक्षक में निहित हैं। इस वर्ष सम्मान समारोह में राजस्थान के 5 शहरों - जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बाड़मेर एवं पाली से 30 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

जैन पारस बिलाला एण्ड क. ने मनाया 21वाँ स्थापना दिवस

डॉ. श्याम अग्रवाल रहे मुख्य अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के जाने माने युवा सी ए पारस बिलाला की सी ए फर्म जैन पारस बिलाला एण्ड क. ने शनिवार को स्थापना के 21 वर्ष को समारोह पूर्वक ज्योति नगर स्थित मुख्यालय में सभी मुख्य सहयोगियों के साथ मनाया । समारोह के मुख्य अतिथि कई कंपनियों के नामित निदेशक , सी एस इंस्टिट्यूट के पूर्व रास्ट्रीय अध्यक्ष तथा बी जे पी राजस्थान के सह कोषाध्यक्ष डा. श्याम अग्रवाल का पारस बिलाला सहित उपस्थित सी ए खितेश शर्मा ,सी ए श्रुति सिंघल ,सी ए साक्षी ,सी एस दीपक अरोड़ा ने तिलक माला सॉल दुपट्टे के साथ अभिनंदन किया । फर्म के सभी भागीदार तथा आर्टिकल्स की कार्यक्रम में उपस्थिति रही ।श्याम अग्रवाल ने कहा कि फर्म की आज एक अलग ही पहचान है फर्म में सो से भी अधिक पेशेवर जुड़े हुए है तथा फर्म की देश के दस राज्यो में शाखाये कार्यरत है । जे पी बी सोश्यल फाउंडेशन के निदेशक पदम जैन बिलाला ने व सेंट्रल बैंक के पूर्व निदेशक एन के पारीक ने अपनी शुभकामनाओ के साथ पारस बिलाला को बधाई दी ।

राजस्थान जैन युवा महासभा का शपथग्रहण समारोह

300 युवा एक साथ लेगे सेवा की शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा एवं महिला मण्डलों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में रविवार 3 सितम्बर को जयपुर महानगर में 15 नवगठित जोनो का शपथग्रहण समारोह, स्नेह मिलन एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में दोपहर 12.15 बजे से आयोजित समारोह में नन्द किशोर- शांता देवी पहाड़िया, प्रमोद -नीना पहाड़ियां, सुनील -निशा पहाड़ियां परम संरक्षक होगे। मुख्य अतिथि अशोक -शकुन्तला, अंकित चांदवाड होंगे। समारोह अध्यक्ष उमराव मल -कुसुम संघी, सी पी पहाड़ियां -रीना पहाड़ियां चित्र अनावरणकर्ता तथा राजीव -सीमा जैन गाजियाबाद दीप प्रज्वलन करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रुप में शांति कुमार -ममता सोगानी, अनिल -उमा दीवान, सुरेश -ललिता सबलावत, पन्ना लाल,ऋषभ -कविता सेठी रामगंजमंडी वाले, राजेश -अनिता रावकां तथा संजय -संजना बड़जात्या कामां वाले उपस्थित रहेंगे। कैबिनेट मंत्री महेश जोशी गौरवमयी अतिथि होंगे। कार्यक्रम के लिए मनीष बैद को मुख्य समन्वयक तथा कमल सरावगी को मुख्य संयोजक बनाया गया है। मनीष बैद ने बताया कि कार्यक्रम में 15 जोनो के 300 पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई जाएगी। युवा समाजसेवी राजीव जैन गाजियाबाद को जैन युवा रत्न सम्मान से नवाजा जाएगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी।बम्पर एवं रौचक हाऊजी,लक्की ड्रा सहित सायंकाल में समाजबंधुओं का सामूहिक वात्सल्य सहभोज सामूहिक गोठ का आयोजन भट्टारक जी की नसियां के पीछे वाले लॉन में किया गया है।

समाज गौरव स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मरण दिवस पर

समस्त सोशल ग्रुपों के द्वारा विभिन्न सेवा के 3 दिवसीय कार्यक्रम किए जायेंगे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

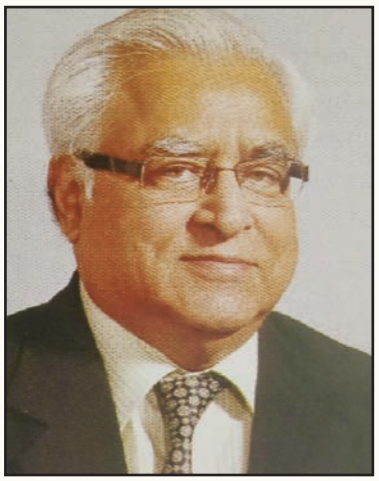

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के भीष्म पितामह समाज गौरव स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मरण दिवस पर फेडरेशन के नेतृत्व में समस्त सोशल ग्रुपों के द्वारा विभिन्न सेवा के 3 दिवसीय कार्यक्रम 3सितंबर से 5 सितंबर तक किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नेमिनाथ ग्रेटर द्वारा फेडरेशन के - भीष्म पिता महा-संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की पुण्यतिथि पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नेमिनाथ ग्रेटर द्वारा संस्था प्रवेश भिक्षुक पुनर्वास केंद्र सामाजिक न्याय परिसर परदेसी पुरा इंदौर रह रहे101 वृद्ध सदस्यों को दिनांक रविवार 3 सितंबर 2023 को भोजन वितरण का कार्यक्रम नेमिनाथ ग्रेटर ग्रुप द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक हैं गिरीश पाटौदी, राजेंद्र सोगानी, ओपी सिघंई, प्रदीप गंगवाल, राजेश जैन दद्दू ,कमल गंगवाल, मुकेश उड़ान, डॉ शरद बज, प्रवीण पाटनी,संजय जैन घी वाला, नितिन बड़जात्या, गोल्डन बाबा।

तुम्हारे कमरे की झाड़ू तुम्हारी माँ नहीं लगावे

पूज्यनीय माँ की यदि पूजा न कर सको तो उसको झाड़ू वाली मत बना देना, वो तुम्हारे मन्दिर रूपी घर की देवी है और पिता घर का देवता है: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि जब व्यक्ति बहुत कुछ पाना चाहता है या कुछ जरूरी वस्तुओं को चाहता है, उसके बिना जब उसका काम नही चलता तो उसकी इच्छा होती है मैं दूसरों का सहारा ले लूँ। पैर टूट गया है तो बोकर लेना पड़ेगा,बुढापा आ गया है तो लाठी लेनी पड़ेगी,भूख लगी तो रोटी खाने पड़ेगी। असमर्थ हो तो किसी का सहारा लेना पड़ेगा और हर व्यक्ति चाहता है मुझे किसी का सहारा न लेना पड़े यहाँ तक कि पिता भी बेटों का सहारा लेना चाहते बस यही भावना बेटों में आ जाये कि मुझे जिंदगी में कभी माँ-बाप का सहारा न लेना पड़े तो महानुभाव बहुत बड़ी शक्ति तुम्हारे पास प्रकट होगी।पुण्यात्मा तो वो है जिन्हें माँ-बाप से सेवा न कराना पड़े। जब जब बड़ो से हमे अपनी सेवा कराना पड़े,बड़ो का सहारा लेना पड़े,बड़े हमारा कार्य करे तो महानुभाव संसार के तुम सबसे बड़े पापी हो। बहुओं सुनो यदि सासु के हाथ की बनी रोटी तुम खा रही हो तो समझ लेना इससे बड़ा पापकर्म का उदय तुम्हारा हो नही सकता और वो रोटी तुम्हें ऐसा बना देगी एक दिन तुम खुद रोटी बनाकर खाने लायक नही रहोगी क्योंकि तुमने पूज्य पुरुषों से रोटी बनवाई थी। कपड़े तुम पहनते हो धोएगी माँ खर्चा तुम करते हो कमाएगा बाप,रहना तुम्हे है घर बनाएगा बाप।जब जब तुम अपने माँ-बाप की कमाई का उपयोग करो,इस समय तुम्हारे बहुत बड़े पाप कर्म का उदय है, छह महीने में तुमने निरन्तर पुण्य कमाया हो और एक बार माँ-बाप ने तुम्हारा कार्य कर दिया हो, सब पुण्य खत्म हो जाता है। इन पापो से बचने के लिए दो तरीके बता रहा हूँ एक तो निषेधात्मक कि ये कार्य करना ही नही है भावना करो कि कभी सासु मेरे लिए रसोई में न जावे। दूसरा तरीका है कि विचार करो कि मेरे पापकर्म का उदय है जो सासु मेरे लिए चाय बनाकर लाई है, सासु ने मेरे लिए पानी भरकर लाई है। नही तो ऐसे कर्म का बन्ध होगा। बच्चो से मेरा कहना है जिंदगी में बड़े होने के बाद माँ से कपड़े मत घुलवाना, प्रेस मत करवाना,नही तो तुम्हे ऐसा कर्म बन्ध होगा कि मुनि बनोगे नही या ऐसी बीमारी होगी कि कपड़े पहनने लायक ही नही रहोगे और कभी ऐसा करना पड़े तो हर्ष मत मनाना,खेद करना कि मैंने कौन सा पाप किया है कि मेरे गंदे कपड़े मेरी पूज्यनीय माँ धो रही है। पूज्यनीय की सेवा करना है या पूज्यनीय से सेवा करवाना है। तुम्हारे कमरे की झाड़ू तुम्हारी माँ नही लगा देवे,पूज्यनीय माँ की यदि पूजा न कर सको तो उसको झाड़ू वाली मत बना देना, वो तुम्हारे मन्दिर रूपी घर की देवी है और पिता घर का देवता है। इन देवता के कमरे में सबसे पहले उठकर के आपको अपनी माँ के कमरे में झाड़ू लगाना चाहिए, ये मानकर के ये मेरे घर के देवता का मंदिर है। एक सासु की हाथ की चाय पी लेना और तुमने खेद व्यक्त नही किया, छह महीने तक तुमने निरन्तर भक्तामर पाठ करके पुण्य किया है वो एक दिन की चाय में भस्म हो जाएगा और एक गिलास में दूध भरकर के बनाकर तुमने सासु को दिया तुम्हारा ऐसा पुण्य बंधेगा कि कल तुम्हारे यहाँ हर कार्य के लिए नौकर लगा होगा और तुम्हे कुछ नही करना पड़ेगा। शिष्य इसलिए नही बनना कि गुरु हमारी हर इच्छा पूर्ण करे शिष्य इसलिए बनना है कि हम गुरु की हर इच्छा को पूर्ण करे। जैसा ही तुम ऐसा संकल्प करोगे गुरु की इच्छा पूर्ण होगी या नही होगी लेकिन शिष्य की इच्छा जरूर पूर्ण हो जाएगी। भावना भाओ कि मेरा ऐसा जन्म हो जिसमे माँ-बाप तो हो,उनका सहारा न लेना पड़े। धर्म सभा का शुभारंभ छोटी-छोटी बालिकाओं ने भक्ति गीत पर बहुत सुंदर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ हुओ इसके लिए सौभाग्य शाली भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया,साथ ही मुनिश्री को शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो इस दौरान श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति एव आगरा दिगंबर जैन परिषद के द्वारा एवं बाहर से आए हुए गुरुभक्तों ने गुरुदेव के चरणों में श्रीफल भेंट कियो धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा कियो धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी,निर्मल मोठ्या,मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी,पन्नालाल बैनाड़ा,हीरालाल बैनाड़ा,जगदीश प्रसाद जैन,राजेश जैन,ललित जैन,मीडिया प्रभारी आशीष जैन मोनू,मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राजेश सेठी,शैलेन्द्र जैन, राहुल जैन,विवेक बैनाड़ा,अमित जैन बॉबी,पंकज जैन,मुकेश जैन अनिल जैन शास्त्री,रूपेश जैन, केके जैन,सचिन जैन,दिलीप कुमार जैन,अंकेश जैन,सचिन जैन,समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन, मीडिया प्रभारी।